

प्रेषक,

३० हेमलता ढौड़ियाल
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

वरिष्ठ वित्त अधिकारी,
उत्तराखण्ड भुगतान एवं लेखा कार्यालय,
नई दिल्ली।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: १५ जुलाई, 2008

दिवय: वित्तीय वर्ष 2008-09 में मुख्य निवेश आयुक्त कार्यालय नई दिल्ली हेतु पुनर्विनियोग के माध्यम से वित्तीय स्थीकृत के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 192/पी०ए०ओ०/2008-09 दिनांक 06-06-2008 एवं अपर आयुक्त निवेश/विनिवेश, कार्यालय मुख्य निवेश आयुक्त उत्तराखण्ड, नई दिल्ली के पत्र संख्या 55/मु०गि०ओ०/2007-08 दिनांक 6-6-2008 के संदर्भ ने मुझे यह कहने का निवेश हुआ है कि उद्योग निवेशालय के अन्तर्गत आयोजनात्तर पक्ष के 25-मुख्य निवेश आयुक्त कार्यालय नई दिल्ली का अधिष्ठान (102 ओ 03 से स्थानान्तरित), 02 मजदूरी मद हेतु संलग्न ३०एम०-१५ के अनुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बधारों से व्यावर्तन द्वारा रु० 70,000/- (रु० सत्तर हजार मात्र) की धनराशि को व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्थीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निर्वतन पर इस आशय से रखी जा रही है कि कृपया विभाग को उनकी मौंग के अनुरूप तत्काल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। अवश्यनक भद्र मदों में धनराशि को व्यय करते समय नितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जाय, तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कडाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जाय, जिन मदों में धनराशि स्थीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट नियुक्त/दित्तीय हस्तपुरितका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरान्त व्यय की गयी धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन की उपतक्ता कराया जाय।

4- जिन मदों से धनराशि व्यावर्तित की जा रही है उन मदों में इस वित्तीय वर्ष में कोई भी अतिरिक्त धनराशि स्थीकृत नहीं की जायेगी।

5— उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनेतर, 102-लघु उद्योग, 25-मुख्य निवेश आयुक्त कार्यालय नई दिल्ली का अधिष्ठान (102 03 से स्थानान्तरित)-00-के अन्तर्गत संलग्न दी0एम0-15 के कॉलम-5 में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाई के नामे डाला जायेगा।

6— यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0 रा0 1072/XXVII(2)/2008, दिनांक 30 जून, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोक्त

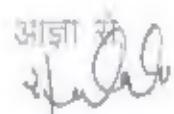
मवदीया

(डा० हेमलता ढीडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 2392(1)/VII-2/191-उद्योग/07, तदिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. सम्बन्धित वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी।
3. निदेशक उद्योग, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. अपर आयुक्त निवेश/विनिवेश, उत्तराखण्ड, नई दिल्ली।
5. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2
8. गाड़-फाईल।

आज्ञा


(डा० हेमलता ढीडियाल)
अपर सचिव।

51-~~κκκ~~ Φηρ-~~λι~~

वर्ष 2008-09 हेतु आयोजनेतार से आयोजनेतार मद में पुनर्विनियोग

अनुदान भव्या - 23
प्रायासनिक दिनां-अधिकिक दिनास अनुभान उत्तमाद्युत्तमान ।

१	2851-कामधेय देया तथा उद्योग 102-लघु उद्योग 25-मुख्य नियंत्रा अप्रूपका कार्यालय नहीं दिल्ली का अधिकारान (102-03 से स्थानांतरित) (A) 12 कार्यालय पहलीवार या-80 (2) 25 कार्यालय पहलीवार / 50	—	00	—	—
2	3	4	5	6	7
3	4	5	6	7	8

प्राप्ति किया जाता है कि पूर्वनियोग से बजट प्राप्ति के प्रत्यारूप 151-156 में वर्णित हैं तो वे उत्तरपत्र नहीं होते हैं।

३५५

卷一
四

यहाँलेखाकार लियर स्टेट वैक, इंडोनेशिया देहरादून।

अपर संचित दिला।

卷之三

३- दिल्ली अनुभाग-२
४- गाहूँ फाइल ।

आशा ये
हमतो होड़यात् ।
आशा सोचिए ।